स्वच्छ भारत मिशन

स्वच्छ भारत मिशन

स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छता कार्य योजना

सभी मंत्रालयों, विभागों और संबद्ध कार्यालयों में स्वच्छता को मुख्यधारा में लाने की दृष्टि से एक पहल शुरू हुई। स्वच्छता पखवाड़ा भारत सरकार को शामिल करते हुए स्वच्छता के मुद्दों और प्रथाओं पर गहन ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। स्वच्छता पखवाड़ा पहल की परिकल्पना माननीय प्रधान मंत्री द्वारा एसबीएम के कार्यकलापों को पूरे वर्ष जारी रखने के लिए की गई थी। स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ भारत मिशन के एक भाग के रूप में माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और उनके कार्यक्रमों में स्वच्छ भारत मिशन को ''प्रत्येक का कार्य'' बनाने की दिशा में एक कदम के रुप में स्वच्छता तथा सफाई को मुख्यधारा में लाना है। मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार कोयला मंत्रालय ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) सहित 16 जून 2023 से 30 जून 2023 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन किया था। इस पहल का उद्देश्य कोयला मंत्रालय के तहत सभी कर्मचारियों तथा संबद्ध संगठनों के बीच स्वच्छता और पर्यावरणीय जागरुकता को बढ़ावा देना था।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान कोयला मंत्रालय द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलें निम्नानुसार हैं: –

1. पेड़ लगाना।
2. प्रसिद्ध स्थानीय स्थलों की सफाई।
3. जागरूकता अभियानों का समन्वय करना।
4. व्यावसायिक भवनों से प्लास्टिक को हटाना।
5. रचनात्मक और अभिनव विचारों को लागू करना।

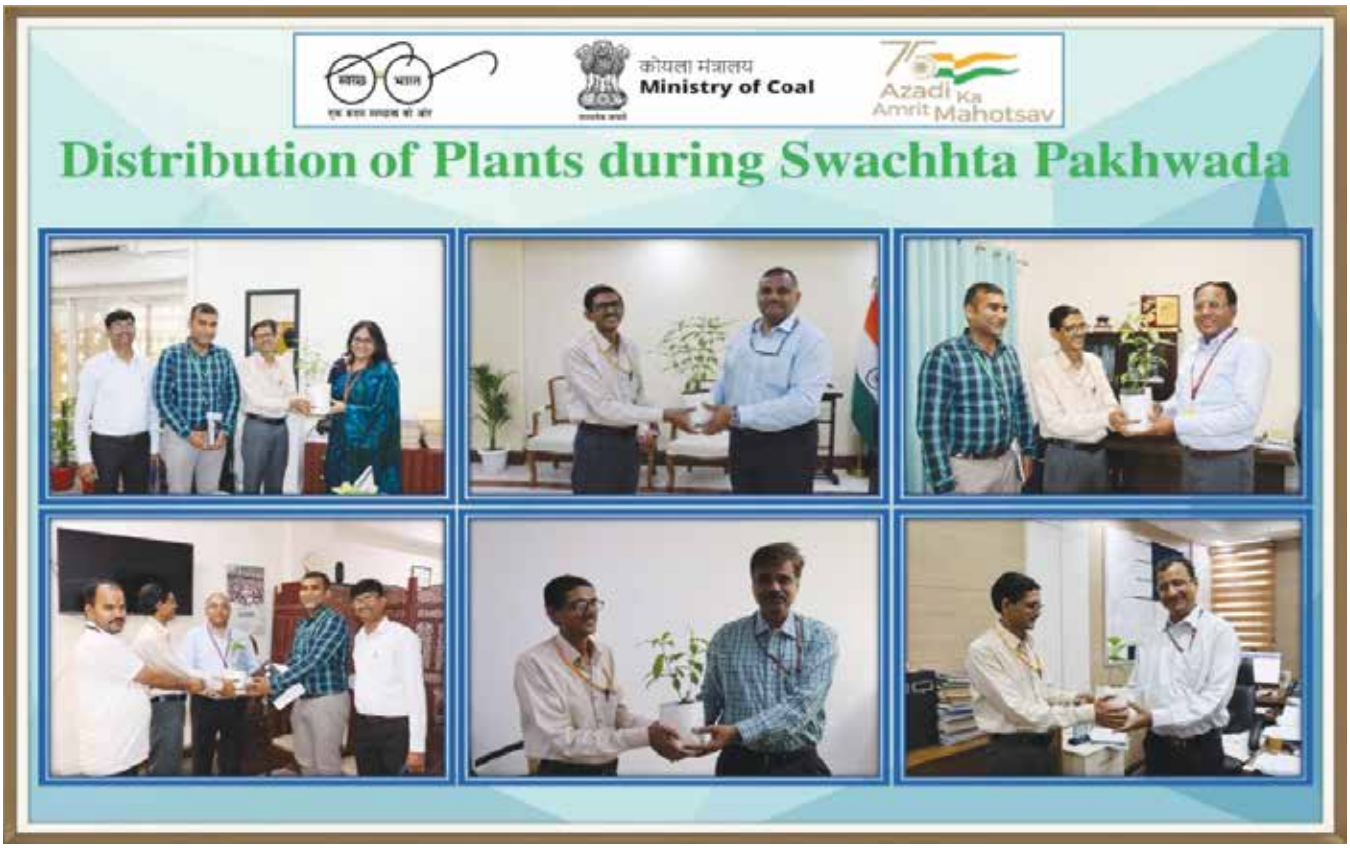

1. मान्यताः

अभियान के दौरान किए गए प्रयासों और योगदान को सम्मानित करने के लिए, कोयला मंत्रालय ने एक पुरस्कार समारोह की व्यवस्था की थी। समारोह का उद्देश्य स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान पूरी की गई गतिविधियों के आधार पर शीर्ष तीन पीएसयू को सम्मानित करना था। चयन के मानदंडों में गतिविधियों की प्रभावशीलता, नवाचार, सार्वजनिक भागीदारी और जागरूकता कार्यक्रम शामिल थे।

उपर्युक्त मानदंडों के मूल्यांकन के आधार पर, निम्नलिखित पीएसयू को मान्यता दी गई थीः

i. प्रथम पुरस्कारः एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल)

एनएलसी इंडिया ने स्वच्छता पखवाड़ा 2023 में अपनी सक्रिय भागीदारी के साथ प्रथम पुरस्कार जीता, उनके द्वारा की गई कुछ प्रमुख गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं: –

- एनएलसी इंडिया लिमिटेड की सभी खानों, तापीय और सेवाओं/सहायता इकाइयों द्वारा किए गए संयुक्त प्रयास के रूप में टाउनशिप के अंदर और आसपास के गांवों में 11390 पौधे लगाए गए।
- पर्यावरण, वन्य जीवन और मानव स्वास्थ्य पर एकल–उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में टाउनशिप और आसपास के गांवों के निवासियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। पुनः प्रयोज्य विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए, जिससे एकल उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग पर अंकुश लगाया जा सके, जूट बैग, कपड़े के बैग टाउनशिप और आसपास के गांवों के निवासियों को वितरित किए गए।
- समग्र स्वास्थ्य और कल्याण, दूषित जल के सेवन से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के लिए स्वच्छ पेयजल के महत्व के बारे में आस–पास के गांवों/स्कूलों में जागरूकता सत्र आयोजित किए गए थे।
- सीएसआर विभाग और एनएलसीआईएल की विभिन्न इकाइयों द्वारा स्वच्छता के महत्व, जल निकायों को बढ़ावा देने और एकल उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के संदेश को फैलाने के लिए नृत्य, नाटक, नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए।
- टाउनशिप के 30 स्कूलों और आसपास के गांवों में निबंध, चित्रकला, वक्तृत्व (elocution) जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। लगभग 1000 छात्रों ने सक्रिय रूप से प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हमारे कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ "आत्म अनुशासन द्वारा या कार्य सौंप कर प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाने" विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
- एनएलसीआईएल ने ठोस अपशिष्ट के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और संधारणीयता को बढ़ावा देने के लिए व्यवस्थित और कुशल संग्रह, निस्तारण और शोधन की व्यवस्था की पहले से ही है। स्वच्छता पखवाड़े के दौरान, यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए कि गीले और सूखे कचरे को अलग करने की प्रक्रिया ठीक से की जाए।

ii. दूसरा पुरस्कार: सीएमपीडीआईएल [सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड]

सीएमपीडीआईएल को स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के दौरान उनके द्वारा की गई गतिविधियों के लिए दूसरा स्थान दिया गया था, उनके द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलें निम्नानुसार है: –

- सुंदर अरपा नदी के किनारे "अमृत कुंज" नामक सुंदर उद्यान का विकास। अमृत कुंज में बड़े स्तर परवृक्षारोपण अभियान चलाया गया।
- अभियान के दौरान 210 से अधिक पौधे लगाए गए।
- कार्यक्रम में जन अभियान पहल के तहत क्षेत्रीय संस्था–5, बिलासपुर वन विभाग और संगठन "अर्पण अभियान" की भागीदारी शामिल थी।
- प्लास्टिक बैग के विकल्प के रूप में ग्रामीणों को जूट के बैग वितरित किए गए।
- परिधीय गांव में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- हसदेव पर्यावरण प्रयोगशाला ने मंदरागीर जिला मुख्यालय में बसस्टैंड पर सार्वजनिक शौचालयों की सफाई की।
- प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और स्कूल परिसर को साफ रखने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धाधु, बालूमठ के छात्रों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- आरडी, आरआई–3 के नेतृत्व में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, भुइयां टोला, हेसालोंग, मैकलुस्कीगंज के छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, ताकि प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और स्कूल परिसर को स्वच्छ रखने के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके।
- आरडी, आरआई–3 के नेतृत्व में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, भुइयां टोला, हेसालोंग, मैकलुस्कीगंज के छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, ताकि प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और स्कूल परिसर को स्वच्छ रखने के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके।
- राजकीय माध्यमिक विद्यालय, लेम, रांची के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 'मेरा स्वच्छ गांव/घर' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

iii. तीसरा पुरस्कार: डब्ल्यूसीएल [वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड]

स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के दौरान उनके द्वारा की गई गतिविधियों के लिए डब्ल्यूसीएल को तीसरा स्थान दिया गया था, उनके द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलें निम्नानुसार हैं: –

- स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गई गतिविधियों में सार्वजनिक भागीदारी और पर्यावरण/प्रकृति पर विशेष ध्यान देना शामिल था। कुछ प्रमुख गतिविधियां निम्नानुसार हैं:–
- सिंगल यूज प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आसपास के गांवों में जागरूकता अभियान चलाया। प्लास्टिक कचरे के पर्यावरणीय प्रभाव पर प्रकाश डाला गया और कपड़े और जूट के बैग जैसे स्थायी विकल्पों को बढ़ावा दिया गया।
- ii चंद्रपुर जिले के पाटाला, कुचना और धोपताल गांवों में नुक्कड़ नाटक और पथ नाट्य का आयोजन किया। प्रदर्शन का उद्देश्य स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, सफाई और स्वच्छता पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। निवासियों को स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंदगी फैलाने, खुले में शौच और अनुचित अपशिष्ट निपटान के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में शिक्षित किया गया।
- कचरे के उचित निपटान के लिए आसपास के गांवों में डस्टबिन वितरित किए।
- स्वच्छता पखवाड़ा के हिस्से के रूप में डब्ल्यूसीएल के सभी अस्पतालों और औषधालयों को साफ किया गया था।
- आवासीय कॉलोनियों में सभी पानी के टैंक और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट साफ किए गए।
- स्वच्छता विषय पर स्कूली छात्रों के लिए निबंध, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।
- मलबे, कूड़े और प्रदूषकों को हटाने में स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवकों और अधिकारियों को शामिल किया।
- स्वच्छता पखवाड़ा पहल के तहत कचरे को अलग करने के लिए स्थानीय गांवों में डस्टबिन वितरित किए गए। डस्टबिन के वितरण का उद्देश्य स्रोत पर उचित अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियों को बढ़ावा देना है।
- स्वच्छता पखवाड़ा के भाग के रुप में आसपास के गांवों में पौधरोपण और वितरण का आयोजन किया गया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देती है।

2. स्वच्छता ही सेवा

कोयला मंत्रालय ने 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 की अवधि के दौरान स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया। स्थानीय स्थलों की सफाई, प्रभात फेरी, रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, वॉकथॉन सहित विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की गईं। पीएसयू और सीएमपीएफओ द्वारा सफाई के लिए 72 स्थानों की पहचान की गई थी।

"स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, कोयला मंत्रालय ने व्यापक स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों में शास्त्री भवन के निकास और प्रवेश द्वार के सामने के क्षेत्र/सड़क और आसपास के क्षेत्र की सफाई शामिल थी।

इसके अतिरिक्त, अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को भी साफ किया गया। इन स्थानों में शामिल हैं:

- स्कूल
- बस स्टैंड
- ऐतिहासिक स्थल
- महत्वपूर्ण अन्य स्थान

3. मेरी माटी मेरा देश

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का "मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन" टैगलाइन के साथ, 01 सितंबर, 2023 से 30 सितंबर, 2023 तक आयोजन किया गया। कोयला मंत्रालय और इसके तहत पीएसयू ने इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य इस मिट्टी को श्रद्धांजलि देना और हमारे राष्ट्रीय नायकों की वीरता का सम्मान करना है। यह नोट करना अत्यावश्यक है कि कोयला मंत्रालय ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए दिशानिर्देशों के अनुरूप व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के उपाय शुरू किए हैं। तदनुसार, पूरे भारत में परिवारों को जोड़ने के लिए एक ठोस प्रयास किया गया है।

इस पहल के हिस्से के रूप में, कोयला मंत्रालय के दायरे में काम करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) से श्रद्धा और एकता के प्रतीक लगभग 650 कलश एकत्र किए गए हैं। ये प्रयास भारत के नागरिकों के बीच सामूहिक गौरव और स्मरणोत्सव की भावना को बढ़ावा देने के व्यापक लक्ष्य के अनुसार हैं।

4. लंबित विषयों के निपटान के लिए विशेष अभियान 3.0

कोयला मंत्रालय ने स्वच्छता अभियान 3.0 का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। अभियान 02 अक्टूबर, 2023 से शुरू हुआ और 31 अक्टूबर, 2023 तक जारी रहा। अभियान के प्राथमिक उद्देश्यों में सार्वजनिक शिकायतों का प्रभावी निपटान, संसद सदस्यों के संदर्भों पर कार्रवाई करना, संसद के आश्वासनों को पूरा करना, स्वच्छता अभियान चलाना, स्क्रैप सामग्री के निपटान की सुविधा प्रदान करना और फ़ाइल प्रबंधन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना शामिल है।

स्वच्छता गतिविधियों के निष्पादन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कुल 618 स्थलों की पहचान की गई थी। अभियान के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप व्यापक कवरेज और अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए इन स्थलों को सावधानीपूर्वक चुना गया था।

शास्त्री भवन और लोकनायक भवन में स्वच्छता अभियान